विद्या भारती
संकुल संवाद

फ़रवरी 2025 माघ-फाल्गुन। विक्रमी सं. 2081

केन्द्रीय अधिकारी प्रवास योजना

गतिविधि आधारित शिक्षण हो- गोविन्द जी

नई पीढ़ी के समक्ष अच्छे परिवर्तनों के प्रतिमान रखें- अवनीश जी

तोदी आदर्श विद्या मंदिर, कोटखावदा के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

केन्द्रीय अधिकारी प्रवास योजना

गतिविधि आधारित शिक्षण हो- गोविन्द जी

जिला केन्द्र विद्यालय हरिओम संस्कार केन्द्र अवलोकन

जोधपुर प्रान्त में विद्या भारती की अखिल भारतीय योजना से 'केन्द्रीय अधिकारी प्रवास योजना' के अन्तर्गत मा. गोविन्द महंत, अखिल भारतीय संगठन मंत्री के प्रवास कार्यक्रम में आदर्श विद्यामंदिर उच्च माध्यमिक, केशव परिसर, जोधपुर द्वारा संचालित गुरों का तालाब स्थिति हरिओम संस्कार केन्द्र के सभी छात्रों द्वारा वन्दना, शारीरिक, गीत, कविता, भजन, खेल, प्रश्नोत्तरी, वार्तालाप, केन्द्र समिति के साथ बैठक आदि कार्यक्रम हुए। अवलोकन के पश्चात् बस्ती के दो परिवारों में संपर्क हुआ। अवलोकन में प्रान्तीय एवं महानगर के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

जिला केन्द्र विद्यालय अवलोकन

जिला केन्द्र विद्यालय आदर्श विद्यामंदिर उच्च माध्यमिक, केशव परिसर, जोधपुर के अवलोकन में वन्दना, अनिवार्य शारीरिक, पौधारोपण, शिशुवाटिका, बालक -बालिका भाग का अवलोकन, आचार्य एवं समिति कार्यकर्ता के साथ बैठक में मा. गोविन्दजी ने अपने उद्बोधन में बताया कि हमें निष्ठावान कार्यकर्ता बनकर कार्य करना चाहिए। शिशुवाटिका की संख्या बढ़ें, विद्यालय का फर्नीचर भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार हो, सभी कार्यकर्ता NEP का अध्ययन करें, गतिविधि आधारित शिक्षण हो। शारीरिक में सभी को बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। बालिकाओं को सदैव आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना। हमारा विद्यालय मॉडल विद्यालय बने।

जिला टोली एवं जिला केन्द्र विद्यालय प्रधानाचार्य-व्यवस्थापक बैठक

विद्या भारती प्रान्तीय कार्यालय श्रुतम् में प्रान्त के जिला टोली एवं जिला केन्द्र विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं व्यवस्थापक बैठक में जिले की टोली, 12 व्यवस्था युक्त शिशुवाटिका, आदर्श संस्कार केन्द्र, 10 वीं एवं 12 वीं के विद्यालय की गुणवत्तायुक्त शैक्षिक व्यवस्था, जिला केन्द्र की SESQ Report आधारित समीक्षा की जानकारी ली। जिला केन्द्र विद्यालयों के प्रधानाचार्य द्वारा प्रभावी क्रियान्वयन की PPT द्वारा प्रस्तुति दी गई।

मा. गोविन्द जी ने अपने उद्बोधन में बताया कि अपने सबल विद्यालयों को निर्बल विद्यालय की सहायता, जिले के सभी विद्यालयों की सार-सम्भाल, जिला टोली के प्रवास, बैठक, कार्य की समीक्षा का क्रम, विद्यालयों की गुणवत्तायुक्त शैक्षिक व्यवस्था एवं विद्यालय की उपलब्धि के बारे में विस्तार से चर्चा की। बैठक में विद्या भारती राजस्थान क्षेत्र के सह संगठन मंत्री गोविन्द कुमार जी, जिला केन्द्र विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिशुवाटिका प्रभारी, व्यवस्थापक, सह व्यवस्थापक तथा जिला टोली (अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंत्री, व्यवस्थापक, कोषाध्यक्ष एवं जिला प्रवासी) की अपनी उपस्थिति रही।

आगे जारी ...

प्रान्त कार्यकारिणी बैठक

विद्या भारती जोधपुर प्रान्त की प्रान्तीय कार्यकारिणी बैठक श्रुतम् में आयोजित हुई जिसमें मा. गोविन्द चन्द्र जी ने 2025 तक विकास एवं विस्तार, जिला केन्द्र सशक्तीकरण व प्रान्त में सभी विषयों का क्रियान्वयन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति आधारित विद्यालयों की तैयारी, ECCE का क्रियान्वयन एवं समयदानी कार्यकर्ता विषय पर चर्चा की।

प्रान्त विषय संयोजकों की बैठक

विद्या भारती जोधपुर प्रान्तीय विषय प्रमुख एवं सह प्रमुखों की बैठक प्रान्तीय कार्यालय श्रुतम् में सम्पन्न हुई। बैठक में अखिल भारतीय संगठन मंत्री मा. गोविन्द चन्द्र जी महंत एवं क्षेत्रीय संगठन मंत्री मा. शिवप्रसाद जी का सान्निध्य प्राप्त हुआ।

बैठक में मा. गोविन्द जी ने अपने विषय की गुणवत्ता के विकास व विद्यालय स्तर पर क्रियान्वयन की योजना, संख्यात्मक एवं गुणात्मक वृत्त, परिणामी कार्य की डॉक्यूमेन्ट्री या PPT बनाना, विषय की संगठनात्मक स्थिति कहां तक हैं, अपने विषय के प्रशिक्षण एवं बैठकों की रचना करना, अपने कार्य की स्थिति को प्रभावी करना, अपने जिला एवं संकुल तक प्रवास करके इन बिन्दुओं पर चर्चा एवं क्रियान्वयन को प्रभावी करना आदि बिन्दुओं पर चर्चा की।

अखिल भारतीय शिशु वाटिका परिषद की बैठक

सुल्तानपुर। सरस्वती शिशु मंदिर विवेकानंद नगर में छह दिवसीय विद्या भारती शिशु वाटिका परिषद की अखिल भारतीय बैठक के दौरान शिशु नगरी में बाल मेला आयोजित किया गया। शिशु नगरी में छोटे-छोटे बच्चों द्वारा विज्ञान प्रयोगशाला, घर का स्वरूप, बाल वाटिका आदि को आकर्षक रूप से सजाया गया। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने भी इसका अवलोकन किया। 10 से 15 फरवरी तक आयोजित बैठक में देशभर से क्षेत्र प्रमुख, सह प्रमुख सहित 35 बहनों की टोली शामिल रही।

बैठक का उद्घाटन विद्या भारती के संगठन मंत्री गोविंद जी महंत एवं विद्या भारती की अखिल भारतीय शिशु वाटिका संयोजक आशा बेन थानकी और विद्या भारती के पूर्वी उत्तर प्रदेश के संगठन मंत्री हेमचंद्र जी ने किया। इस अवसर पर सुश्री आशा बेन ने कहा कि तीन से पांच वर्ष के बच्चों को सही शिक्षा देने की आवश्यकता है। हेमचंद्र जी ने बताया कि खेल-कूद और कहानी के माध्यम से शिक्षण एवं संस्कार का अभिनव प्रयोग किया जा रहा है।

बैठक में सत्र 2024-25 के कार्य की समीक्षा की गयी और सत्र 2025- 26 की कार्ययोजना पर विचार विमर्श किया गया। शिशुओं के सर्वांगीण विकास में 12 व्यवस्थाओं पर आधारित क्रियाकलाप पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी शरद त्रिपाठी ने भी विचार व्यक्त किए। इस दौरान प्रदेश निरीक्षक शेषधर द्विवेदी, क्षेत्रीय शिशु वाटिका प्रमुख विजय उपाध्याय, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार सिंह, मंत्री हरि दर्शन राम आदि उपस्थित रहे।

चयनित कार्यकर्ता कार्यशाला

जीवन में स्व प्रबंधन आवश्यक- अवनीश जी

जोधपुर। विद्या भारती जोधपुर प्रान्त के प्रान्तीय कार्यालय “श्रुतम्” में 6-7 फरवरी को दो दिवसीय चयनित कार्यकर्ता कार्यशाला में अखिल भारतीय महामंत्री अवनीश जी भटनागर एवं प्रान्तीय मंत्री श्री भैरूपाल सिंह जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

अवनीश जी ने कहा कि विद्या भारती में वैचारिक अधिष्ठान, भारतीयता, हिन्दुत्व आदि विभिन्न नाम हैं। अपने जीवन में स्व प्रबंधन होना आवश्यक है। पूर्वजों, ऋषि-मनीषियों ने शिक्षा का जो स्वरूप हमारे समक्ष रखा है, हमें उसे लागू करना चाहिए। शिक्षा के प्रमुख रूप से तीन उद्देश्य हैं पहला पुराने ज्ञान का नवीन पीढ़ी को हस्तान्तरण, दूसरा नवीन ज्ञान का सृजन करना और तीसरा अगली पीढ़ी को चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाना। अवनीश जी ने कहा कि समय प्रबंधन ठीक होगा तो तनाव नहीं होगा। हमें राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का विकास करना है। राजस्थान का इतिहास, भक्ति परम्परा, महापुरुषों को कैसे जानना, कथा-कहानी, लोक गीत, कथाओं में तो होगी लेकिन यह विद्यालय शिक्षा में नहीं है। नैतिकता के आधार पर जीवन व्यवहार राष्ट्रभक्ति है। नेतृत्वकर्ता को अनेक बातों की सावधानियां बरतनी चाहिए जिसमें प्रबन्धन, निष्पक्षता, सबको सुनने की आदत, पारदर्शिता और गोपनीयता आदि शामिल हैं।

महिला कार्यकर्ता बैठक

बीकानेर। आदर्श शिक्षण संस्थान, बीकानेर के व्यास कालोनी स्थित आदर्श विद्या मंदिर में 4 जिलों की महिला कार्यकर्ता बैठक आयोजित की गई। बैठक में अवनीश जी ने बालिका शिक्षा के उद्देश्य बताए और कहा कि मातृत्व के स्वभाव में किसी के प्रति शत्रुता का भाव नही होता है। मातृत्व के गुण के कारण माताएं संतान में देशकाल परिस्थिति के अनुसार गुण विकसित करती हैं। विद्या मंदिरों में माता जीजाबाई, रानी लक्ष्मीबाई जैसा व्यक्तित्व विकसित करने वाले कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए। समाज जीवन, पारिवारिक जीवन में नेतृत्व का भाव विद्या भारती के विद्यालयों में बालिकाएं शिक्षा के साथ अर्जित कर लेती हैं। गृहिणी के माध्यम से परिवार का संचालन होता है। परिवार में संगठन का भाव विकसित करना भी मातृशक्ति का कार्य है।

अवनीश जी ने कहा कि नई पीढ़ी के समक्ष अच्छे परिवर्तनों के प्रतिमान रखना हमारा कर्तव्य है। आज बालिकाओं को करणीय एवं अकरणीय कार्य बताने की आवश्यकता है। वर्तमान समय में समाज के सामने बालिकाओं को लेकर कौन सी समस्याएं है, उन पर भी विचार करना आवश्यक है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जैसा कर्त्तव्य विकसित करना बालिका शिक्षा का उद्देश्य है। मल्हार राव होल्कर की अल्प आयु में मृत्यु के बाद मालवा के राज्य संचालन का कार्य संभाला। न्यायप्रियता एवं निष्पक्षता के गुण देवी अहिल्या में जन्मजात थे। इसी तरह भगिनी निवेदिता भी समस्त मातृशक्ति के लिए अनुकरणीय हैं।

नई पीढ़ी के समक्ष अच्छे परिवर्तनों के प्रतिमान रखें- अवनीश जी

चयनित पूर्व छात्र बैठक

आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय, नोखा बीकानेर में पूर्व छात्र बैठक में अवनीश जी भटनागर ने पूर्व छात्रों को करणीय कार्यों के बारे में अवगत कराया और सामाजिक गतिविधियों जैसे पौधारोपण, ब्लड डोनेशन कैंप आदि में सक्रियता से भाग लेने, आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने में सहयोग करने,विद्यालय परिवार के नियमित सम्पर्क में रहने को कहा।

आगे जारी ...

मनुष्य को मनुष्यता की ओर ले जाने वाली हो शिक्षाः प्रो. दाधीच

भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर विचार गोष्ठी

बीकानेर के वेटरनरी कालेज महाविद्यालय और विश्वविद्यालय शिक्षा से जुडे़ शिक्षाविदों की भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर विचार-गोष्ठी हुई। इस अवसर पर राजस्थान पशु चिकित्सालय के सम-कुलपति प्रो. हेमन्त जी दाधीच ने कहा कि शिक्षा मनुष्य को मनुष्यता की ओर ले जाने वाली हो। हमारी शिक्षा भारतीय ज्ञान परम्परा के अनुकूल होनी चाहिए।

विद्या भारती के अखिल भारतीय महामंत्री अवनीश जी भटनागर ने कहा कि 1947 में देश की आजादी के बाद डा. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में भारतीय शिक्षा नीति को लेकर आयोग का गठन किया गया था। तब से ही देश में शिक्षा किस प्रकार की हो, इसको लेकर समय-समय पर आयोगों का गठन किया गया और अब राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई है। किसी देश में शिक्षा उस देश की संस्कृति, ज्ञान परम्परा, राष्ट्र का दर्शन, भौगोलिक स्थिति, राष्ट्रीय सद्भाव दर्शन, सामाजिक एवं लौकिक परम्परा, व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास आदि को परिलक्षित करने वाली होनी चाहिए। व्यवसायी सुशील कुमार जी ने कहा कि विद्या मंदिरों में पढ़कर निकले बालक-बालिका हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

विशिष्ट पूर्व छात्र बैठक

आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक, केशव परिसर में 9 फरवरी को विशिष्ट पूर्व छात्रों की बैठक में डाक्टर्स, इंजीनियर्स, C.A., अधिवक्ता, प्रधानाचार्य, प्राध्यापक, बैंक मैनेजर, प्रशासनिक अधिकारी, कलाकार/ खिलाड़ी/ साहित्यकार, लघु उद्यमी और बिल्डर्स आदि शामिल रहे। बैठक में कुल 105 विशिष्ट पूर्व छात्रों ने सहभागिता की।

मातृशक्ति गोष्ठी

प्रबंध समिति आदर्श विद्या मंदिर जोधपुर द्वारा लघु उद्योग भारती के सभागार में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी समारोह के अंतर्गत प्रबुद्ध मातृशक्ति गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता विद्या भारती के महामंत्री अवनीश जी भटनागर ने कहा कि बालिकाओं के लिए नेतृत्व क्षमता से युक्त होना आवश्यक है। हमें आज देवी अहिल्या बाई के कार्यों से प्रेरणा लेने की जरूरत है। देवी अहिल्या ने मालवा में कृषि, उद्योग स्थापित किए और उत्तर भारत के मन्दिरों का जीर्णोद्धार आदि समाज हित में बहुत से कार्य किए।

लालसागर परियोजना भामाशाह सम्मेलन

हनवंत आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय, लालसागर जोधपुर में लालसागर परियोजना के अन्तर्गत भामाशाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अवनीश जी भटनागर ने कहा कि विद्या भारती गैर सरकारी शैक्षणिक संस्थान के रूप में अग्रिम पंक्ति में कार्य कर रहा है। आप जैसे श्रेष्ठ भामाशाहों के माध्यम से ही यह कार्य सफलतापूर्वक हो रहा है। सबसे अधिक सहयोग राजस्थान के दानदाताओं द्वारा विद्या भारती को मिलता है। आप सबका स्नेह और सहयोग विद्या भारती को इसी तरह मिलता रहे, ऐसी अपेक्षा है।

आनन्द तीर्थ शिक्षा प्रकल्प माता वेदरी भूमि पूजन

राष्ट्रभक्त एवं चरित्रवान बालकों का निर्माण करना ही विद्या भारती का उद्देश्यः यतीन्द्र जी

भोपाल | ग्राम भारती शिक्षा समिति मध्य भारत, भोपाल द्वारा संचालित आनन्द तीर्थ शिक्षा प्रकल्प माता वेदरी पर मन्दिर एवं अतिथि आवास का भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर विद्या भारती के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री यतीन्द्र जी शर्मा ने कहा कि राष्ट्रभक्त एवं चरित्रवान बालक का निर्माण करना ही विद्या भारती का उद्देश्य है। मध्य प्रदेश के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश जी शुक्ला ने कहा कि वह विद्या भारती के लिये अपने विभाग के साथ-साथ स्वयं भी तन मन धन से खड़े रहेंगे।

कार्यक्रम में श्री निखिलेश महेश्वरी संगठन मंत्री विद्या भारती मध्य भारत, श्री विष्णु जी खत्री विधायक बेरसिया, श्री मोहनलाल जी गुप्ता अध्यक्ष सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मध्य प्रदेश, श्री वीरेन्द्र सिह जी सचिव ग्राम भारती शिक्षा समिति मध्य भारत एवं प्रकल्प अध्यक्ष श्री शेलेन्द्र जी शर्मा, प्रकल्प प्रबंधक श्री गोपाल शर्मा, ग्राम भारती के प्रांत प्रमुख श्री चंद्रहंस पाठक, प्रांतीय श्री सचिव वीरेन्द सिह, बाल आयोग के अध्यक्ष श्री द्रविन्द जी मोरे, श्री तीरथ सिंह जी मीणा आदि उपस्थित रहे।

प्रांतीय पूर्व आचार्य गटनायक सम्मेलन, विकास पथ पुस्तक का लोकार्पण

भोपाल। विद्या भारती मध्य भारत प्रांत का पूर्व आचार्य गटनायक सम्मेलन सरस्वती विद्या मंदिर, शारदा विहार आवासीय विद्यालय, भोपाल में संपन्न हुआ। सम्मेलन में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दे रहे सरस्वती शिशु मंदिर के पूर्व आचार्यों ने सहभागिता की और अपने अनुभव साझा किए। मुख्य अतिथि यतीन्द्र जी शर्मा अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री, डॉ. आदित्य मिश्र उपाध्यक्ष, विद्या भारती मध्य क्षेत्र, मोहन-लाल जी गुप्ता अध्यक्ष, सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान, म.प्र., क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री भालचंद्र रावले एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. नीलाभ तिवारी आदि उपस्थित रहे। अध्यक्षता गौतम जी टेटवाल राज्यमंत्री, कौशल विकास एवं रोजगार, म.प्र. शासन ने की। श्री टेटवाल सरस्वती शिशु मंदिर के पूर्व आचार्य भी रहे हैं। सम्मेलन में विद्या भारती मध्यभारत प्रान्त की गौरव गाथा 'विकास पथ' पुस्तक का लोकार्पण भी किया गया।

तोदी आदर्श विद्या मंदिर, कोटखावदा के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

जयपुर। तोदी फाउंडेशन (अमेरिका) के सहयोग से निर्मित तोदी आदर्श विद्या मंदिर, कोटखावदा जयपुर के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जी ने किया। भामाशाह श्री नंदकिशोर तोदी जी एवं श्रीमती शशि प्रभा तोदी जी के अथक सहयोग से निर्मित यह विद्यालय केवल एक भवन नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और संस्कारों का केंद्र है, जो बालकों के सर्वांगीण विकास और राष्ट्र निर्माण को सशक्त करेगा। इस अवसर पर राजस्थान के उपमुख्यमंत्री श्री प्रेम बैरवा जी, कैबिनेट मंत्री हीरालाल नागर जी, चाकसू विधायक रामावतार बैरवा जी, क्षेत्र प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ श्री निम्बाराम जी, विद्या भारती के उपाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद खेतान जी, विद्या भारती के संगठन मंत्री श्री गोविन्द चंद्र महंत, विद्या भारती राजस्थान के क्षेत्रीय संगठन मंत्री शिवप्रसाद जी, आदर्श शिक्षा समिति जयपुर के अध्यक्ष अमरनाथ जी, तोदी फाउंडेशन के भारतीय प्रतिनिधि रमेश कुमार जी अग्रवाल, डॉ. नीलम तोदी जी, किरण जी अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय वैदिक गणित बैठक

मध्य प्रदेश | विद्या भारती की वैदिक गणित विषय की अखिल भारतीय बैठक 8-9 फरवरी 2025 को मध्य प्रदेश में सम्पन्न हुई। बैठक में कार्य की समीक्षा, वार्षिक वृत्त, प्रशिक्षण, पाठ्यपुस्तक, प्रान्तों में कार्य, गणित मेला, राज्य सरकारों में इसका व्यवहार, मूल्यांकन व्यवस्था और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार क्रियान्वयन आदि पर चर्चा हुई। इसके साथ ही आगामी कार्य - क्रम, कार्ययोजना तैयार की गई। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि विद्या भारती ने वैदिक गणित को देशभर मे पहुंचाया है। इससे वैदिक गणित एक परिचित और रुचिकर विषय बन गया है। सरकार भी अब वैदिक गणित के लिए कार्य कर रही है। बैठक में वैदिक गणित के अखिल भारतीय संयोजक, सह संयोजक, क्षेत्र प्रमुख एवं केंद्रीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संस्कार केन्द्रों की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता

दार्जिलिंग। विद्या भारती उत्तर बंग की ओर से दार्जिलिंग के नक्सलबाड़ी, बातासी, चाय बागान, सीमान्त, नेपाल से लगे हुए ग्रामीण क्षेत्र आदि में 42 संस्कार केन्द्र संचालित किए जा रहे हैं। वर्तमान में संस्कार केन्द्रों में 1058 विद्यार्थी हैं। इन विद्यार्थियों की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 9 फरवरी को बातासी शारदा शिशु तीर्थ, दार्जिलिंग में किया गया। इस अवसर पर प्रान्त के संस्कार केन्द्र प्रभारी श्री बिरसा सोलंकि आदि उपस्थित रहे। विद्या भारती उत्तर बंग प्रान्त में 44 विकास खंड, 15 संकुल में 99 शिशु/विद्या मन्दिर संचालन हो रहे हैं। इनमें 47 हजार 593 विद्यार्थी संस्कारयुकत शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

अखिल भारतीय निबन्ध प्रतियोगिता

देशभर के लगभग 20 लाख विद्यार्थियों में से 138 चयनित

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान की ओर से आयोजित अखिल भारतीय छात्र निबन्ध प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया गया। विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान के निदेशक डॉ. रामेन्द्र सिंह ने बताया कि निबन्ध प्रतियोगिता में देशभर के लगभग 20 लाख विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। देशभर की 37 प्रान्तीय समितियों से प्राप्त श्रेष्ठ निबन्धों में से समिति अनुसार एवं वर्गानुसार 138 प्रथम आने वाले निबन्धों का चयन किया गया और इन्हें पुरस्कार स्वरूप सद्साहित्य एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। निबन्ध के लिए शिशु वर्ग में 'भगवान राम का जीवन चरित्र', बाल वर्ग में 'रामलला प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव', किशोर वर्ग में 'अयोध्या नगरी का वैभव', तरुण वर्ग में 'श्रीरामजन्मभूमि के 500 वर्षों के संघर्ष का इतिहास' का चयन किया गया था। निबन्ध प्रतियोगिता हिन्दी के साथ उड़िया, बांग्ला, तेलुगु एवं गुजराती भाषा में भी आयोजित की गई।

प्रचार विभाग का एक दिवसीय शिविर

पालक्काड़। भारतीय विद्या निकेतन राज्य प्रचार विभाग का एक दिवसीय शिविर 22 फरवरी को राज्य कार्यालय, पालक्काड़ में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भारतीय विद्या निकेतन के राज्य सचिव, प्रचार प्रमुख ने विचार रखे। ट्राइस टेक्नोलॉजी के अरुण ने राज्य स्तर पर आने वाली नई वेबसाइट के बारे में जानकारी दी। राज्य सोशल मीडिया समन्वयक अभिलाष ने सोशल मीडिया के महत्व और आवश्यकता पर विचार रखे। टी.पी. गंगाधरन् ने भारतीय विद्या निकेतन की पत्रिका अमरवाणी, मुद्रण माध्यम और समाचार तैयार करने के तरीके बताए। शिविर में 14 जिलों के प्रचार विभाग के प्रभारियों ने भाग लिया।

योग शिक्षा को नया आयाम देने के लिए कार्यशाला

पटना। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप योग शिक्षा पाठ्यक्रम के निर्माण को लेकर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सरस्वती विद्या मंदिर, मुंगेर में हुई। कार्यशाला में देशभर से आए 15 योगाचार्यों ने योग शिक्षा को वैज्ञानिक दृष्टिकोण और प्राचीन परंपरा से जोड़ते हुए पाठ्यक्रम तैयार करने पर मंथन किया। कार्यशाला में प्रो. रामादर्श प्रसाद सिंह उर्फ स्वामी चिन्मयानंद ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह मानसिक, आध्यात्मिक और सामाजिक समरसता का माध्यम भी है। योग के अखिल भारतीय संयोजक राजेश कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत योग शिक्षा को एक व्यापक और व्यावहारिक स्वरूप देने की योजना है, ताकि छात्र न केवल शारीरिक रूप से सक्षम बनें बल्कि मानसिक रूप से भी सशक्त हों।

उड़ीसा क्षेत्र के क्षेत्रीय संयोजक मधुसूदन वशिष्ठ ने कहा कि इस पाठ्यक्रम से योग को वैश्विक पहचान मिलेगी और इसे अधिक वैज्ञानिक और व्यावहारिक बनाया जाएगा। कार्यशाला में योग दर्शन, आसन, प्राणायाम, ध्यान, योग चिकित्सा, योग शिक्षक प्रशिक्षण समेत कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर गहन मंथन किया गया।

उत्तर बिहार प्रांत के योग मार्गदर्शक राजेश रंजन और दिल्ली क्षेत्र की संयोजिका कल्पना हलधर ने विचार व्यक्त किए। विद्या भारती उत्तर पूर्व क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रचार संयोजक नवीन सिंह परमार ने बताया कि कार्यशाला में विद्या भारती के 11 क्षेत्रों के योग प्रमुख, सह-प्रमुख और अखिल भारतीय योग संयोजक आदि शामिल रहे। प्रधानाचार्य संजय कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया।

विद्या भारती के विद्यालयों में मां सरस्वती का पूजन श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया।

स्काउट्स एंड गाइड्स में तीन बच्चों को प्रतिष्ठित राज्य पुरस्कार

भारतीय शिक्षा समिति द्वारा संचालित संत बाल योगेश्वर भारतीय विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, डडवाड़ा के तीन विद्यार्थियों भूमिका शर्मा, डोरी राजपूत और रिया पंडित ने स्काउट्स एंड गाइड्स में प्रतिष्ठित राज्य पुरस्कार प्राप्त किया है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उन्हें उनकी कड़ी मेहनत और लगन के लिए सम्मानित किया। यह पुरस्कार स्काउट्स एंड गाइड्स के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रदान किया जाता है। इनमें तृतीय सोपान बैज और अन्य दक्षता बैज शामिल हैं।

विद्या भारती
अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

सेवा में ,

प्रज्ञा सदन

जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, नेहरू नगर,
महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली - 110065

@VidyaBharatiIN

www.vidyabharti.net www.vidyabharatisamvad.com
Email : vbabss@yahoo.com | vbsamvad@gmail.com
Contact Us : 91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126